SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

चयनित आदर्श गाँव
मूण्डला – सीहोर (म.प्र.)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

suryafoundation1 | suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

Website : www.suryafoundation.org

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर- PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षों में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**- तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी-पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

आदर्श गाँव मूण्डला का एक दृश्य

निर्मल गाँव, स्वावलंबी गाँव- जब आप गाँव में जाएँगे तो वहाँ की सड़कें और गलियाँ पक्की मिलेगी। पूरा गाँव साफ-सुथरा होगा। किसी भी घर में जाने पर बॉयो गैस से पका हुआ शुद्ध भोजन मिलेगा। पंचायत घर पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत, LCD, DTH और Fast Internet वाला होगा। ये सारी बातें हकीकत में आपको मूण्डला गाँव में मिलेगी।

- सभी घरों का रंग लगभग एक-सा हो- Pink Village.
- मध्य प्रदेश, सिहोर जिले में इच्छावर तहसील से 18 कि.मी. दूर ग्राम पंचायत **मूण्डला** गाँव में प्रवेश करते ही खुले में शौच मुक्त गाँव का बोर्ड आपको आकर्षित करता है।
- ग्राम पंचायत के 215 घर, और सभी घर शौचालय युक्त और शत-प्रतिशत उपयोग में है।
- 105 घरों में गौ-पालन के साथ-साथ बॉयो गैस का सफल संचालन होता है। धुआँरहित चूल्हा, यानि ईंधन का प्रबंध, गाँव में है।
- पिछले 5 वर्षों से थाने में एक भी FIR दर्ज नहीं हुई है। सारे झगड़ों का निपटारा गाँव में होता है।

आदर्श गाँव को मिले विभिन्न पुरस्कार

1. **नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस अवार्ड** - भारत सरकार द्वारा सन 2013-14
2. **स्वच्छ भारत मिशन** - मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सन 2014-15
3. **स्वच्छ भारत मिशन** - भारत सरकार द्वारा सन 2015-16
4. **स्वच्छ भारत मिशन (पेयजल एवं स्वच्छता)** - भारत सरकार द्वारा सन 2016-17
5. **मुख्यमंत्री स्वच्छता सम्मान (स्वच्छ भारत मिशन)** - मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सन 2016-17

आदर्श गाँव : मूण्डला (मध्य प्रदेश)

सन् 2012-13 की बात है, एक दिन मैं नाले की तरफ शौच करने जा रहा था, तब बस ड्राइवर ने मेरे बराबरी पर बस रोकी और मुझे बस में से एक डिब्बा निकालकर देते हुये कहा कि सरपंच जी हम तो बहुत गरीब आदमी हैं, बस की नौकरी करके परिवार का गुजारा करते हैं, फिर भी हमारे घर में कच्चा शौचालय है।

आप तो गाँव के सरपंच हैं। आपको खुले में शौच करते हुए शर्म आनी चाहिए। उस बस में खचाखच पैसेंजर थे। मुझे उस ड्राइवर पर बहुत गुस्सा आया, पर गलती मेरी थी, इसलिए शर्मिंदगी महसूस कर घर आ गया। उसी दिन शौचालय निर्माण प्रारम्भ कर 15 दिन में एक अच्छा सर्व सुविधा युक्त शौचालय का निर्माण कर लिया। जब शौचालय तैयार हो गया तो बस रुकवाकर ड्राइवर को बताया। उसने शौचालय देखकर मेरी पीठ थपथपाई और बोला कि आप इस गाँव के भविष्य हो, एक आदर्श स्थापित कर सकते हो। मैंने संकल्प कर लिया कि एक दिन पूरे देश मे गाँव का नाम आदर्श गाँव के रूप में स्थापित करूँगा।

कैलाश पटेल
पूर्व सरपंच
(भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित)

मैं सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण लेकर आया। प्रशिक्षण के दौरान गाँव में योजनाओं का लाभ, ग्राम विकास कार्यों की जानकारी मिली। प्रशिक्षण के बाद हमारे गाँव में सरकारी योजनाओं पर शत-प्रतिशत कार्य हो रहा है। **गाँव में सभी सड़कें, गलियाँ, सार्वजनिक चबूतरा बने हैं, आंगनबाड़ी केन्द्र, सफलतापूर्वक चलता है।**

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सभी परिवारों में शौचालय निर्माण कराया। स्कूल परिसर की बाउंड्री, मुक्तिधाम (श्मशान) का निर्माण, सार्वजनिक शौचालय का निर्माण, गाँव के सभी लोगों के जनधन योजना के तहत 100 प्रतिशत खाते खुले, 70 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोले गए, 120 परिवार में गोबर गैस का निर्माण, 40 परिवार को उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाया गया।

मेरा गाँव
मेरा तीर्थ

आदर्श गाँव मूण्डला में हुए विकास कार्य

- गाँव के 29 कार्यकर्ता अभी तक सूर्या फाउण्डेशन के ग्राम विकास का प्रशिक्षण ले चुके हैं।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों के माध्यम से अब तक 260 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से अब तक 60 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण, 10 किसानों ने जैविक खेती करना शुरू कर दिया है।
- 40 महिलाओं को सिलाई केन्द्र के माध्यम से सिलाई सिखाया गया।
- महिला सशक्तीकरण व स्वावलम्बन हेतु आठ स्व-सहायता समूह का गठन किया गया है।
- 40 महिलाओं को म.प्र. आजीविका मिशन के तहत पापड़, बड़ी, अचार बनाने की ट्रेनिंग दी गई।
- गाँव में सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ादान लगाए गए हैं।
- 65 परिवारों में आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं।
- मुक्तिधाम का निर्माण और सुंदरीकरण हेतु पूर्वजों की याद में एक पेड़ लगानें व देखभाल की शुरूआत।
- गाँव के सभी परिवारों में शौचालय बने हैं और 100 प्रतिशत प्रयोग में लाए जाते हैं।
- 120 परिवारों में बायोगैस का निर्माण, रोजगार व पशुपालन के लिए दो दुग्ध केन्द्र बनाए गए हैं।

महिला सशक्तिकरण– स्वयं सहायता समूह

महिला स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण हेतु गाँव में आठ स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। उनको अलग-अलग प्रकार की ट्रेनिंग कराई गयी। जिससे गाँव में स्वरोजगार बढ़े और महिलाएँ आत्मनिर्भर बनें। ऐसे समूह के सदस्यों के कुछ अनुभव...

हमनें सूर्या फाउण्डेशन की सहायता से स्व-सहायता समूह का निर्माण किया है, जिसमें मैं अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रही हूँ। जिसका नाम माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह है। हमारे समूह में 11 महिलाएँ हैं और समूह का खाता बैंक में खुलवाने के बाद हमें सरकार की ओर से रू. 25,000/- का अनुदान प्राप्त हुआ। हमारी हर माह बैठक होती है। इसमें सभी महिलाएँ बचत का पैसा इकट्ठा कर इस खाते में पैसा जमा करती हैं। और समूह की महिलाओं को अचार पापड़ बनाने की ट्रेनिंग सूर्या फाउण्डेशन द्वारा दिलाई गई अभी गाँव में अचार, पापड़ बन रहा है। पापड़ की मार्केटिंग की खोज कर रहे हैं।

अनीता ठाकुर
अध्यक्ष : माँ दुर्गा
स्व-सहायता समूह

आदर्श गाँव के मुख्य आधार स्तंभ

1. **शिक्षा**- गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**-योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान-पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**-स्व-सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**-गाँव, घर साफ-सुथरा हो, घर-घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**-सभी जाति, वर्ग के लोग मिल-जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**- नर सेवा-नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**-सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**-युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

मूण्डला गाँव की झलकियाँ

किसान गोष्ठी शिविर

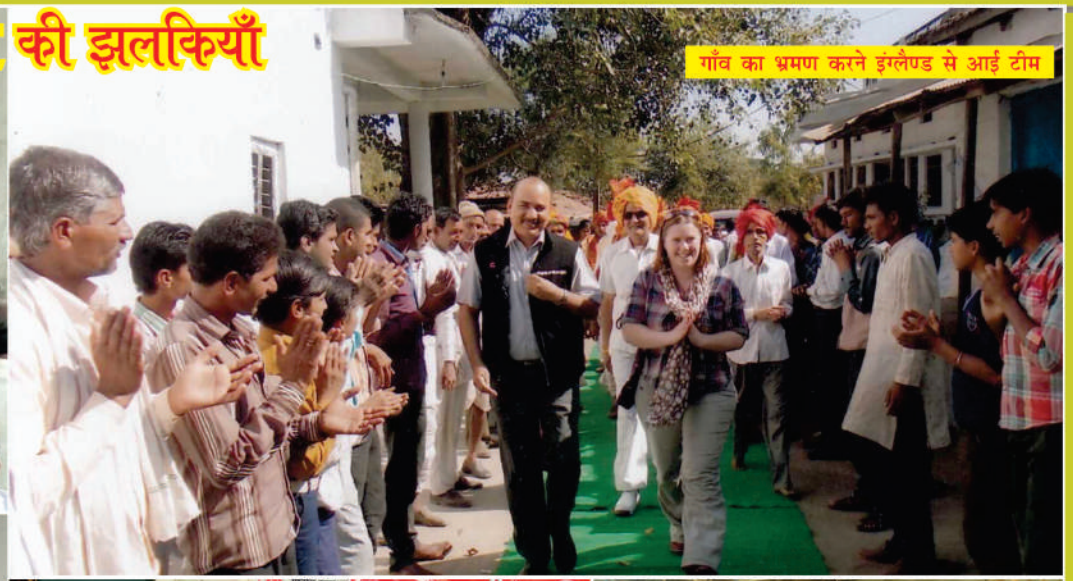
गाँव का भ्रमण करने इंग्लैण्ड से आई टीम

वृक्षारोपण

स्व-सहायता समूह बैठक

स्वास्थ्य शिविर

पशु टीकाकरण

श्मशान घाट पर वृक्षारोपण

संस्कार केन्द्र

शिक्षा- सूर्या संस्कार केन्द्र

अनुभव

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित सूर्या संस्कार केन्द्र में हमारे विद्यालय के बच्चे पढ़ने जाते हैं, वहाँ पर जो एक्टिविटी कराई जाती हैं और जो संस्कार उन्हें सिखाए जाते हैं उनके कारण विद्यालय के सभी बच्चों की अपेक्षा संस्कार केन्द्र के बच्चों में उनके व्यक्तित्व में एक अलग ही झलक देखने को मिलती है। संस्कार केन्द्र के बच्चे अपने ध्यान को एकाग्र करने में, मन लगाकर पढ़ाई करने में माहिर होते हैं और पिछले दो वर्षों से मैंने उनके रिजल्ट में सुधार आते देखा है, एवं सभी बच्चों से अव्वल और प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर जो आते हैं वह भी संस्कार केन्द्र के बच्चे ही हैं।

सूर्या फाउण्डेशन के माध्यम से संस्कार केन्द्र के बच्चों को संस्कारी बनाने के लिए उनके व्यवहार, शिक्षा, एकाग्रता, पढ़ाई की ललक इन सब में वृद्धि हुई है। फाउण्डेशन द्वारा संस्कार केन्द्र में विद्यालय के 22 बच्चे पढ़ने के लिए जाते हैं, जो विद्यालय में अलग ही दिखाई देते हैं। वहाँ पर जो खेलकूद कराया जाता है उसमें बच्चों को बड़ा मजा आता है खेल-खेल एवं कहानियों के माध्यम से शिक्षा का जो संचार बच्चों में किया जा रहा है वह प्रशंसनीय है अत: सूर्या फाउण्डेशन के इस कार्य की मैं प्रशंसा करता हूँ एवं सभी बच्चों को शुभआशीष देता हूँ।

गुलाब सिंह
(शिक्षक)

दीपक
संस्कार केन्द्र

मैं दीपक 7वीं कक्षा में पढ़ता हूँ। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चल रहे सूर्या संस्कार केन्द्र में प्रतिदिन आता हूँ। यहाँ पर कई प्रकार के प्रयोग कराए जाते हैं। जो हमारे विद्यालय से हटकर होते हैं उसमें मुझे बड़ा मजा आता है। सबसे ज्यादा भारतीय खेल जिसके माध्यम से हमारा दिमाग और और शरीर दोनों मजबूत होता है। संस्कार केन्द्र के कार्यक्रमों से पहले की अपेक्षा पढ़ाई में मेरा मन लगने लगा है जिससे विद्यालय में मैं हर बच्चों की तुलना में अव्वल आता हूँ। मेरे सभी शिक्षक मेरी प्रशंसा करते हैं। सूर्या फाउण्डेशन के संस्कार केन्द्र में जाकर मुझे बहुत अच्छा लगता है।

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

अनुभव

राजपाल परमार
जूनियर फील्ड कमाण्डर
मूण्डला गाँव

भारत के हृदय कहे जाने वाले मध्य प्रदेश के जिला मुख्यालय सीहोर से 30 किमी दूर **आदर्श गाँव मूण्डला** अपने आसपास ही नहीं अपितु भारत के अनेक गाँवों के लिए रोल-मॉडल बन कर उभरा है, मुण्डला गाँव को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा वर्ष 2013 में आदर्श गाँव हेतु चयनित किया गया, जिसमें अनेकों गतिविधियों के माध्यम से गाँव को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, समरसता, स्वच्छता आदि से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया गया है।

215 परिवार वाले छोटे से गाँव में सरकार से मिलने वाली योजनाओं का पूरा लाभ लाभार्थियों को दिया जाता है। गाँव के सभी रास्ते पक्के हो गये हैं, तालाब सुन्दरीकरण, शासकीय भवन की बाउण्ड्री कार्य हुए हैं। युवाओं ने अपने पूर्वजों की स्मृति में गाँव के श्मशान में पौधे लगाकर स्मृति वन बनाया जो कि सभी को प्रेरित करता है। नशामुक्ति को लेकर गाँव के युवाओं की पहल भी सराहनीय है। गाँव में किसी भी दुकान पर नशीली चीजें नहीं मिलती है। गाँव के युवा नशा नहीं करते हैं।

ये संभव हुआ सूर्या यूथ क्लब से। यूथ क्लब पर प्रतिदिन युवा आकर खेल खेलते हैं और योग अभ्यास करते हैं। साथ ही साथ ग्राम विकास की बातों पर चर्चा करते हैं। गाँव के सार्वजनिक कार्यों व पारिवारिक कार्यक्रमों (विवाह, भंडारा) में युवाओं की बढ़-चढ़कर भागीदारी रहती है। वर्ष में एक बार खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। सभी युवा इस प्रतियोगिता को वार्षिकोत्सव के रूप में मनाते हैं।

करो योग
रहो निरोग

सेवाभावी अनुभव

गाँव के प्रतिष्ठित, सम्मानित व सेवा कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षित कर उन्हें गावों में संचालित गतिविधियों की जिम्मेदारी देते हैं। वे गार्जियन के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। ऐसे ही सेवाभावी कार्यकर्ताओं के कुछ अनुभव...

प्रहलाद सिंह
सेवाभावी

मैं प्रहलाद सिंह गाँव में अपना छोटा सा उद्योग आटा चक्की एवं किराने की दुकान चलाता हूँ। गाँव में सूर्या फाउण्डेशन की एक्टिविटी को देखता रहता हूँ एवं गाँव में हो रहे परिवर्तन को देखकर मन प्रसन्न चित्त होता है, सूर्या फाउण्डेशन ने जो हमारे गाँव में आपसी भाईचारा, समरसता, व्यवहार कुशलता की बाढ़ ला दी है उससे लगता है मानो मुण्डला गाँव आदर्श की दिशा में बढ़ रहा है। सूर्या फाउण्डेशन के भैया राजपाल परमार एवं नरेन्द्र रघुवंशी गाँव में आकर गाँव के लोगों को बिठाकर उनको समझाते हैं।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव के चौराहों पर डस्टबिन लगवाए गए, सड़क किनारे एवं सार्वजनिक जगह वृक्षारोपण कर उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए गए हैं। गाँव के लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई जिससे आज गाँव हरा-भरा दिखाई देता है। आज पूरे गाँव के गली मोहल्ले आदि साफ एवं स्वच्छ दिखाई देते हैं। गाँव के युवाओं में नशा छोड़ने की प्रवृत्ति भी जागी है। कई लोगों ने नशा करना छोड़ा है। आज मैं पूरे विश्वास से कहता हूँ इसी तरह सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव के लिए कार्य करता रहा तो निश्चित रूप से हमारा गाँव एक दिन पूरे देश के लिए एक मिसाल होगा।

फूलसिंह सेंधव
सेवाभावी

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। खेती को लाभ का व्यवसाय किस तरह से बनाएँ इस विषय पर आए हुए कृषि वैज्ञानिक एवं सूर्या फाउण्डेशन के वक्ताओं से सीखा। खेती के साथ पशु-पालन को बढ़ावा दिया एवं घर पर साग सब्जी की फसल लगाकर खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना सीखा। मैंने पशु-पालन का व्यवसाय बढ़ाया है। जिससे प्रतिदिन दूध की आमदनी बढ़ी और उस दूध से मिली कीमत से हमारे घर का पूरा खर्चा चलने लगा। पशुओं के बढ़ने से जैविक खाद की मात्रा में बढ़ोतरी हुई वही खाद हमने खेती में उपयोग किया। इसके माध्यम से हमारी फसलों का पैसा फिजूल खर्चों में जाने से बचा और हमें फसल से आमदनी भी हुई। हमारी खेती की उर्वरा शक्ति भी बढ़ी और पैदावार में वृद्धि हुई है। खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए मिश्रित खेती करने का निर्णय लिया है।

सुषमा जी की कलम से

"मैं अपनें निधि से निर्माण कार्य (मकान, सड़क, बिजली, पानी, स्कूल) की सुविधा दे सकती हूँ। परन्तु गाँव के लोगों के विचारों में परिवर्तन, जन-जागरण का काम सही रूप में आ. जयप्रकाश जी (सूर्या फाउण्डेशन) आपकी टीम ही कर सकती है।"

– स्व. श्रीमती सुषमा स्वराज जी

स्व. श्रीमती सुषमा स्वराज जी के साथ मूण्डला गाँव की टीम

सेवा कार्यों में लगे कार्यकर्ता

• नरेन्द्र कुमार	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	9131718157
• राजपाल परमार	जूनियर फील्ड कैडर	9424957255
• गुलाब सिंह	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9340815940
• कैलाश पटेल	पूर्व सरपंच एवं सेवाभावी	8817513411
• कैलाश भाटी	सेवाभावी	7692847290
• राम स्वरूप	सेवाभावी	8817513411
• अजय कुमार	सेवाभावी	–
• दिग्विजय	सेवाभावी	–
• हेमेन्द्र पटेल	सेवाभावी	–

समाचार पत्रों में मूण्डला गाँव की झलकियाँ

खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से गांव को लक्ष्य रखकर आसपास के

5 गांव को जोड़कर 7 दिन की प्रतियोगिता का आयोजन

सिहोर। नसरुल्लागंज हमीदगंज सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित सात दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम भारत माता के समक्ष देवी सिंह धुर्वे (जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि) महेश पटेल पर्वत सिंह उईके भीख पुरी गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर किया इस अवसर पर भीखपुरीगोस्वामी ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन समाज में सेवा का कार्य करती है इसमें नियमित रूप से छोटे बच्चों को शिक्षा तथा संस्कार का कार्य के साथ ही युवाओं को खेल के माध्यम से जोड़कर ग्राम विकास की दिशा में प्रेरित करना। इसके साथ ही अलग-अलग प्रकार की गतिविधियां संचालित की जाती है जिसमें वृक्षारोपण योगाभ्यास व्यक्तित्व विकास शिविर ग्राम करो मेला स्वच्छता अभियान के साथ ही खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से एक गांव को लक्ष्य रखकर इसके आसपास के 5 गांव को जोड़कर 7 दिन की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है इस प्रतियोगिता में भारतीय खेलों के साथ-साथ कबड्डी वॉलीबॉल खो-खो आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती है स्वामी विवेकानंद

का मानना था कि भारत का युवा ऐसा हो जिसकी फौलाद की मांसपेशियां हो तथा समुंदर को लांग जाने साहस हो यह कार्य तभी संभव है जब हम नियमित रूप से शारीरिक करेंगे साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने के लिए फिट रहना पड़ेगा हमारे प्रधानमंत्री भी इसी को ध्यान में रखकर हम फिट इंडिया फिट अभियान के तहत फिट इंडिया कार्यक्रम चलाया जा रहा है आप सभी नियमित रूप से खेल से जुड़े हैं जो बड़ी आयु के बंधु भगिनी है वॉकिंग से लेकर नियमित सूर्या व्यायाम आदि करें योगासन के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है सूर्या फाउंडेशन के माध्यम से आदर्श ग्राम योजना के तहत इस वर्ष सवा लाख लोगों को खेल से जोड़ने की योजना है देवी सिंह धुर्वे ने कहा कि फाउंडेशन जो सामाजिक कार्य में सक्रिय है वह एक सराहनीय कार्य है युवाओं को आगे बढ़कर इस प्रकार के कार्यों में सहभागिता निभानी चाहिए कबड्डी प्रतियोगिता में रूसी स्पोर्ट्स क्लब पिपलानी की टीम विजेता रही तो खो खो में हमीदगंज की टीम विजेता रही सूर्य नमस्कार में बहनों वर्ग नेहा सेन प्रथम ज्योति भारती द्वितीय संतोषी काकोलिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया दौड़ में कृष्णा प्रथम आयुष्य द्वितीय दीपिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया दीपक महेश्वरी ने प्रथम अनुराग चौहान द्वितीय कुलदीप मीणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को मेडल स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया नन्हे-मुन्ने बालकों द्वारा देश भक्ति गीत तथा नृत्य किया गया इस कार्यक्रम में महेश पटेल, पर्वत सिंह उईके खाम सिंह परमार जिला संयोजक आयोग मित्र जितेंद्र यादव दिनेश दिनेश यादव बबलू सलाम शिव राजवाड़े राजपाल परमार संजय तुम राम सुशील चौहान रवि वर्मा सुनील कहर अर्जुन मेहरा धूम सिंह संतोषी ककोडीया ज्योति उईके, संगीता बकोरिया पदम तुम राम महेश कुमरे सहित अनेक बंधुओं की सहभागिता रही।

18 | नवदुनिया | पाल, शनिवार 21 फरवरी 2015

इंग्लैंड से आए दस सदस्यी दल ने किया गांव का भ्रमण

मूंडला में किया स्वच्छता व बायोगैस का आवलोकरन

इछावर(निप्र)। शुक्रवार को इंग्लैंड से आए दस सदस्यीय दल ने क्षेत्र के गांव मूंडला का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने गांव की स्वच्छता एवं बायोगैस आदि का अवलोकन किया। साथ ही घर-घर जाकर शौचालयों की स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों से कई विषयों पर चर्चा की।

जानकारी के अनुसार वाटर हेड संस्था के तत्वाधान में इंग्लैंड से आया एक दस सदस्यीय दल शुक्रवार को गांव मूंडला पहुंचा। इस दौरान दल के सदस्यों ने गांव की स्वच्छता, बायोगैस, शौचालय, आंगनवाड़ी, सरकारी स्कूलों आदि का निरीक्षण किया। साथ ही ग्रामीणों से उनकी दिनचर्या सहित कई विषयों के संबध में जानकारी हासिल की। दल के सदस्यों ने गांव की स्वच्छता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

इस मौके पर नवांकुर संस्था मूंडला कल्याणी आदर्श सेवा समिति द्वारा भ्रमण दल के सदस्यों का पुष्प माला पहनाकर व शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया।

दल में प्रमुख रूप से चीफ एक्जीक्यूटिव वाटर एंड यूके के चीफ एक्जीक्यूटिव बारबरा फोर्स, वाटर एड भारत के चीफ नीरज जैन, बोर्ड मेंबर वाटर एड भारत रवि नारायण, सारा एहमद, कुमारी विलिंडा बेनेट, एशिया रीजन वाटर एड यूके के टोम पोलकुडिल, किरणनेगी, बीनू अरिकल, डेपोटरी टीम लीडर एमपी वास सेमेथ्यू ल्यूकोड और जनपद सीईओ डॉ देवेश मिश्रा आदि शामिल थे। साथ ही इस मौके पर ब्लाक संमवंयक कमल वर्मा व समर्थन संस्था प्रतिनिधि और जन अभियान परिषद के सदस्य मौजूद थे।

आंगनवाड़ी पहुंचकर कर बच्चों से बातचीत करते दल के सदस्य।

आदर्श गांव में किसान गोष्ठी का आयोजन

नगर संवाददाता ● भोपाल

आदर्श गांव मुण्डला इछावर (सीहोर) में किसान गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया, सूर्या फाउण्डेशन का लक्ष्य ग्राम विकास की ओर एक कदम बढ़ाते हुए गाँव के ग्राम विकास समिति व किसान समिति के सहयोग से किसानों को सही दिशा देने व उनके लाभ को बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारतमाता के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, कार्यक्रम में सूर्या फाउण्डेशन से विकास विश्वकर्मा (15 आदर्श गाँव प्रमुख) ने रासायनिक खेती से होने वाले कई नुकसान उदाहरण सहित बताया जिसमे पंजाब की कैंसर एक्सप्रेस का भी उदाहरण दिया। जैविक खेती को बढ़ाने पर अनेक लाभ हैं कम खर्च में खेती होगी, अनेक बीमारियों से बचने का मुख्य उपाय भी जैविक खेती है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संदीप जी (कृषि वैज्ञानिक) ने खेती करने के छोटे छोटे उपाय बताए जिससे किसानों को अधिक लाभ हो, कम्पोस्ट खाद बनाना, वेस्ट डिकम्पोजर, गोबर गैस से निकलने वाली स्लरी खाद के रूप में बहुत उपयोगी है, कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गाँव के सरपंच कैलाश जी ने बताया हमें जैविक खेती करना चाहिए अपने खेत के एक छोटे से हिस्से में जैविक खेती शुरू करें और धीरे धीरे जैविक की ओर बढ़ें।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश प्रमुख शिव कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी, गाँव के अच्छे 10 किसानों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा डायरी भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गाँव के परिश्रमी कार्यकर्ता राजपाल परमार ने किया, कार्यक्रम का आयोजन करने में नरेंद्र रघुवंशी का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राहुल, जे. पी. मालवीय जी, गजराज, जीवन सिंह जी कार्यकर्ता व 150 किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने किसान गोष्ठी के आयोजन का पूरा लाभ लिया।

उपसरपंच कैलाश पटेल को दिल्ली में किया सम्मानित

इछावर। क्षेत्र के गांव मूंडला के उपसरपंच कैलाश पटेल को पिछले दिनों दिल्ली में केंद्रीय पंचायती राज व ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। दरअसल उन्हें यह सम्मान स्वच्छ भारत मिशन में उनके अथक प्रयासों को लेकर दिया गया है। आयोजित सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर ने श्री पटेल को शाल श्रीफल व प्रशस्ती पत्र भेंट कर सम्मानित किया है।

मूंडला गांव में नहीं बिकता नशे का सामान

सुनील मालवीय | दौलतपुर

ग्रामीणों की दृढ़ इच्छा शक्ति, संकल्प और एक जुटता के कारण मूंडला गांव आज पूरी तरह से नशामुक्त हो चुका है। आलम यह है कि यहां कोई भी व्यक्ति न तो नशीले पदार्थों का सेवन करता है और न ही गांव में बेचा जाता है। ग्रामीणों की यह पहल संपूर्ण क्षेत्र में मिसाल बनी हुई है।

इछावर विकासखंड मुख्यालय से महज 15 किमी दूर करीब 1500 की आबादी वाला गांव मूंडला के ग्रामीण नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करते हैं। साथ ही नशीले पदार्थ गांव में बेचे भी नहीं जाते हैं। महीनों पहले इस गांव में अधिकांश लोग दिन भर शराब के नशे में धुत रहते थे। इसके साथ ही युवा पीढ़ियों में भी इसका प्रचलन तेजी से बढ़ रहा था। इससे परिवार और गांव में आए दिन विवाद के साथ ही छोटी-मोटी चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही थीं। इस दौरान 15 अगस्त 2015 को ग्राम पंचायत भवन में आयोजित ग्राम सभा की बैठक में सरपंच कैलाश पटेल ने गांव में नशे के बढ़ते चलन पर चिंता जाहिर करते हुए इसके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मंशा जाहिर की। इस पर सभी ग्रामीणों ने अपनी सहमति दी। इसके तहत गांव में किसी भी व्यक्ति द्वारा नशीले पदार्थ का सेवन एवं इनकी बिक्री करने पर एक सौ रुपए का जुर्माना लगाने की बात कही।

गांव के लोग न तो सेवन करते और न बेचते हैं नशीले पदार्थ।

सर्वसम्मति से लिया निर्णय

पहले गांव में अधिकांश लोग नशीले पदार्थ खासकर शराब का सेवन करते थे। इससे गांव में अशांति का माहौल बना रहता था। बैठक में इसके दुष्परिणामों पर चर्चा की गई। इसके बाद सर्वसम्मति से नशा छोड़ने के साथ ही गांव में इसे प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया।
कैलाश पटेल, सरपंच

जगा रहे हैं अलख

कुछ माह पहले जो लोग सुबह से शाम तक शराब के नशे में मदहोश रहते थे, आज वही लोग इससे तौबा कर नशामुक्ति के लिए अलख जगा रहे हैं। इसमें खास बात यह है कि इन लोगों ने अपनी स्वेच्छा से शराब छोड़ते हुए इसके दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी देते हुए ग्रामीणों को भी इससे दूर रहने की नसीहत दे रहे हैं।

संस्कार केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित

इछावर। आदर्श गाँव मुंडला में सूर्या फाउण्डेशन के वाइस चेयरमैन हेमन्त शर्मा और 15 आदर्श गाँव प्रमुख विकास विश्वकर्मा का प्रवास हुआ। गाँव में चल रहे सूर्या संस्कार केन्द्र के बच्चों के साथ खुदीराम बोस शहीद दिवस मनाया गया, जिसमें बच्चों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, हेमन्त ने बताया कि खुदीराम बोस भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए संघर्षशील सेनानी थे इनका जन्म बंगाल में हुआ था, इसी प्रकार जीवन से जुड़ी कई प्रेरणाभरी घटनाएँ बताई कार्यक्रम में गाँव के सरपंच कैलाश भी उपस्थित रहे। कैलाश व कार्यकर्ता राजपाल परमार ने गांव का भ्रमण कराया। भ्रमण के दौरान गाँव मे बने प्रधानमंत्री आवास योजना में बने आवास की जानकारी ली। सेवभावियों के साथ बैठक में बताया कि गाँव का विकास गाँव के लोगों के साथ ही हो सकता है, आदर्श गाँव हिवरे बजार और रालेगढ़ सिद्दी के आदर्श बनने में गाँव में योगदान करे।

लघु व्यक्तित्व विकाश शिविरका समापन

स्वतंत्र समय, विदिशा।

सुर्याफाउण्डेशन द्वारा लघु व्यक्तित्व विकाश शिविर का समापन कार्यक्रम विदिशा खेल स्टेडियम में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्यामसुदंर शर्मा सहकारी बैंक चैयरमेंन विदिशा व सुर्याफाउण्डेशन क्षेत्र प्रमुख पुजांलाल निनाम एवं भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष पदम सिंह भदोरिया उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्यामसुदंर शर्मा ने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा देश युवाओ का देश है और सुर्याफाउण्डेशन युवाओं को जाग्रत कर देश को आगे बढाने का काम कर रहा है जिससे हमारा देश शक्तिशाली बनेगा। सभी युवाओ को बडचढ कर सहभागिता रखनी चाहिए। मंच सचंलन कर रहे शिकुमार राजवाडे ने सभी को अलग-अलग गतिविधियों की जानकारी दी एवं कैम्प के माध्यम से हो रहे परिवर्तन के बारे में बताया। इस समापन कार्यक्रम में आसपास के पांच गांव के भैयओं ने भाग लिया।